

---

## Shravanamasakrite Shiva Stuti Masa5

---

# श्रावणमासकृते शिवस्तुतिः मास ५

---

### Document Information



---

Text title : Shravanamasakrite Shiva Stuti Masa 5

File name : shrAvaNamAsakRRiteshivastutiHmAsa5.itx

Category : shiva, shivarahasya, stuti

Location : doc\_shiva

Transliterated by : Ruma Dewan

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | mahAdevAkhyah ekAdashamAMshaH | adhyAyaH 18

shrAvaNArchanam | 52-59||

Latest update : October 29, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

November 3, 2024

*sanskritdocuments.org*

---

## श्रावणमासकृते शिवस्तुतिः मास ५



(शिवरहस्यान्तर्गते महादेवाख्ये)

- शिवगौरीसंवादे -

गङ्गाधरान्तकहर त्रिपुरावमर्द  
वेदौघवेद्य भगवन् भवरोगवैद्य ।  
आद्यस्त्वमेव शशिमौलिविशालशीर्ष  
सृष्टिस्थितिप्रलयकारण पाहि दीनम् ॥ ५२ ॥

विश्वाधिक प्रमथनाथ उमासनाथ  
मन्नाथ मन्मथहरान्तक कालकाल ।  
शूल प्रोज्ज्वल शरावरकार्मुकज्या-  
पाणे भगाक्षिमथनाव पिनाकपाणे ॥ ५३ ॥

गौरिपते शशिकलामलचारुमौले  
वन्दारुवृन्दमकुटार्पितपादपद्म ।  
पद्माक्षपूजितपदाम्बुज कालमूल-  
निर्वापणान्धकहराव सदैव मां त्वम् ॥ ५४ ॥

शेषाहिभूष वरयोषकृतार्धकाय  
दोषाधिराजवरचूड वृषाधिरूढ ।  
वेषायिताखिलजगत्कलनाविशेष  
काषायवस्त्रपरिधान नमो नमस्ते ॥ ५५ ॥

अलिङ्गस्त्वमात्मा कथं लिङ्गसंस्थः  
स्फुलिङ्गोपमं त्वत्त एवं प्रसूतम् ।  
जगन्नश्वरं शश्वदेतद्विचित्रं  
प्रसीद प्रसीद प्रभो चन्द्रचूड ॥ ५६ ॥

एवं वै श्रवणे मासे पूज्य स्तुत्वा महेश्वरम् ।

दद्याद्गोमिथुनं श्वेतं सवत्सं दक्षिणान्वितम् ॥ ५७ ॥

शाम्भवेभ्यो हुनेद्धोमं पौर्णम्यां भोजयेद् द्विजान् ।

स्वयं भुञ्जीत चाप्यन्ते सूपापूपैर्मनोहरैः ॥ ५८ ॥

प्रसाद्य देवमीशानमामासं नक्तभोजनः ।

एवं यः श्रावणं मासं प्रापयेत्पूजया मम ॥ ५९ ॥

॥ इति शिवरहस्यान्तर्गते ईश्वरप्रोक्तं श्रावणमासकृते शिवस्तुतिः सम्पूर्णा ॥

- ॥ श्रीशिवरहस्यम् । महादेवाख्यः एकादशमांशः । अध्यायः १८ श्रावणार्चनम् । ५२-५९ ॥

- .. shrIshivarahasyam . mahAdevAkhyāH ekAdashamAMshaH . adhyAyaH 18  
shrAvaNArchanam . 52-59..

Notes:


Śiva शिव advises to Devī देवी; the ŚivaStutiः शिवस्तुतिः for the māsa मास while detailing about His Worship during the Śrāvaṇa māsa श्रावण मास. He mentions about conducting Homam होमम् during Śrāvaṇa Pūrṇimā श्रावण पूर्णिमा.

The Śrāvaṇamāsakṛte ŚivaŚatāṣṭanāmaStotram श्रावणमासकृते शिवशताष्टनामस्तोत्रम् and the Śrāvaṇamāsakṛte ŚivaŚatāṣṭaNāmāvaliः श्रावणमासकृते शिवशताष्टनामावलिः comprising of 108 Names १०८ नामानि of Śiva शिव, derived from the same can be accessed from one of the links provided below. The count from the source text comes to less than 108 though. Perhaps there are/were meant to be more Śloka-s.

More details about worshipping Śiva शिव during individual Māsa मास are given in Chapters 13-25.

Selected Śloka-s श्लोकाः from Chapter 18 are presented on this page.

Proofread by Ruma Dewan

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

